चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.12.22	2	4-5

बच्चों को वितरित की सर्दियों की स्कूल ड्रेस

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित कीं। कार्यक्रम विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया, जिसमें कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहीं। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी व झुग्गियों में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनको जरूरत के हिसाब से ठंड से बचाव के लिए ड्रेस वितरित की गई है। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्विद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	31.12.22	3	1-3

विद्यार्थियों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व समाज कल्याण संस्था के सदस्य।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की स्कूल ड्रैस

हिसार, 30 दिसम्बर (कपूरी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रैस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रैस वितरित की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	31.12.22	5	1-3

एचएयू की समाज कल्याण संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित की सर्दियों की स्कूल ड्रैस

बच्चों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व समाज कल्याण संस्था के सदस्य।

हिसार, 30 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रैस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी व झुग्गियों में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनकों जरूरत के हिसाब से ठंड से बचाव के लिए ड्रैस वितरित की गई है। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रैस वितरित की गई। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्विद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया।

कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने पुनर्जीवित की थी संस्था : संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर ने की थी लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निष्क्रिय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रोफैसर बी आर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस संस्था के पुनर्गठन के बाद यह तीसरा कार्यक्रम है जिसके तहत जरूरतमंद बच्चों को सामान वितरित किया गया है। इससे पहले भी स्कूल के 120 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सियां व हॉट केस टिफिन वितरित किए गए थे। इस अवसर पर संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मंजु महता, डॉ. अपर्णा, डॉ. सुरभि व राजीव मोर सहित संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	30.12.2022	-----	-----

एचएयू की समाज कल्याण संस्था ने वितरित की वर्दियां

बच्चों के साथ मुख्यातिथि संतोष कुमारी व संस्था के सदस्य।

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क
हिसार/सुखविन्दर कौर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रैस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी व झुगियों में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनकों जरूरत के हिसाब से ठंड से बचाव के लिए ड्रेस वितरित की गई है।। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर ने की थी, लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निष्क्रिय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	30.12.2022	-----	-----

संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित की स्कूल ड्रेस

नभ-छोर न्यूज ⏭ 30 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति प्रो बीआर काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्विद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया। संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति एएल फ्लेचर ने की थी लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निष्क्रिय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रोफेसर बी आर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मंजु महता, डॉ. अपर्णा, डॉ. सुरभि व राजीव मोर सहित संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	30.12.2022	-----	-----

एचएयू की समाज कल्याण संस्था ने बच्चों को वितरित की सर्दियों की स्कूल ड्रेस

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी के पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की समाज कल्याण संस्था द्वारा किया गया जिसमें कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व संस्था की अध्यक्ष श्रीमती संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुई। मुख्यातिथि ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में लेबर कॉलोनी व झुग्गियों में से विद्यार्थी पढ़ने आते हैं जिनको जरूरत के हिसाब से ठंड से बचाव के लिए ड्रेस वितरित की गई है।। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों की उनके सहयोग व नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए भविष्य में इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस दौरान 80 जरूरतमंद विद्यार्थियों को सर्दियों की स्कूल ड्रेस वितरित की गई। राजकीय उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह दुहन ने इस नेक कार्य के लिए विश्विद्यालय की संस्था का धन्यवाद किया। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने पुनर्जीवित की थी संस्था संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा ने बताया कि संस्था की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति श्री ए एल फलेचर ने की थी लेकिन पिछले 15 वर्षों से यह संस्था निष्क्रिय पड़ी हुई थी। वर्तमान कुलपति प्रोफेसर बी आर काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस संस्था के पुनर्गठन के बाद यह तीसरा कार्यक्रम है जिसके तहत जरूरतमंद बच्चों को सामान वितरित किया

गया है। इससे पहले भी स्कूल के 120 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सियां व हॉट केस टिफिन वितरित किए गए थे। इस अवसर पर संस्था के सचिव कपिल अरोड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, मंजु महता, डॉ. अपर्णा, डॉ. सुरुचि व राजीव मीर सहित संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-12-22	2	6-8

वैज्ञानिक किसानों को दे रहे सलाह, सर्दी में लो टनल विधि से करें सब्जियों की खेती

अगेती फसल को उगाई बेल वाली सब्जियों में खरपतवार व बीमारियों का नहीं रहेगा खतरा

भास्कर न्यूज | हिसार

सर्दी के मौसम में प्रदेश के किसान प्लास्टिक लो टनल विधि से अगेती फसल के लिए कद्दूवर्गीय सब्जी लौकी, तोरई, टिंडा, करेला और अन्य फसलों की बुवाई कर फसलों को बीमारियों से बचा सकते हैं। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को लो टनल विधि से फसलों की बुवाई कर अधिक आमदनी कमाने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्हें विधि के बारे में जानकारी दी जा रही है। वैज्ञानिक डॉ. अर्चना ने बताया कि कद्दूवर्गीय सब्जियों की अगेती खेती बेल वाली व कद्दूवर्गीय सब्जियों की अगेती फसल लगाकर किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। कद्दूवर्गीय सब्जी जैसे लौकी, तोरई, टिंडा, करेला व अन्य सब्जियां हैं। आमतौर पर इन सब्जियों की रोपाई फरवरी माह में शुरू हो जाती है। इसलिए अगेती फसल के लिए यह समय बीज लगाने के लिए उपयुक्त है। बेल वाली सब्जियों में ज्यादा ठंड सहन करने की क्षमता नहीं होती। ऐसे में लो टनल विधि से अगेती फसल तैयार की जा सकती है।

जानिए.... कैसे तैयार करें प्लास्टिक लो-टनल

हिसार | लो टनल विधि से उगाई गई सब्जियां।

यह 1-3 माह तक के लिए सब्जियों के ऊपर बनाई जाने वाली अस्थाई संरचना होती है। पॉलीटनल बनने के बाद एक सुरंग की तरह दिखती है। इस लो-टनल के फ्रेम के निर्माण हेतु 6-10 मिली मीटर मोटी, 2-3 मीटर तार या सरिया या बांस की फट्टियों का उपयोग करके बनाया जाता है। तारों को 1-1.5 मीटर लंबाई के टुकड़ों में काटकर लूप तैयार कर लेते है।

अगेती खेती को बढ़ावा देती है प्लास्टिक लो टनल

एचएयू कुलपति बीआर काम्बोज के अनुसार, मैदानी क्षेत्रों में कद्दूवर्गीय सभी सब्जियों की अगेती खेती को बढ़ावा देने के लिए प्लास्टिक लो टनल तकनीक अपनाई जाती है। इसमें दिसम्बर व जनवरी में सब्जियों की पौध लगाई जाती हैं।

मुर्गी की खाद का प्रयोग थैलियों को भरने में न करें

सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए पॉलीथीन की 10-15 से.मी. की थैलियों में बिजाई की जाती है। थैलियों के नीचे 3-4 छोटे छेद कर दें, ताकि उनमें पानी न ठहर सके। मुर्गी की खाद का प्रयोग थैलियों को भरने में ना करें। इससे बीज के अंकुरण पर प्रभाव पड़ता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.12.22	2	1-4

नया प्रयास • एचएयू में डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय को कराया अपग्रेड

प्रदेश में अब किसानों को एक क्लिक पर मिलेगी मिट्टी और फसल की जानकारी

महबूब अली | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय को अत्याधुनिक बनवाया गया है। अब यहां पर पहुंचकर किसान डिजिटल मानचित्र के माध्यम एक क्लिक पर प्रदेश के सभी जिलों में किस मिट्टी में कौन सी फसल की बुवाई करें, इसकी जानकारी हासिल कर सकेंगे। डिजिटल मानचित्र में इसका पूरा ब्योरा दिया है। यही नहीं, मिट्टी के सैंपल भी जानकारी के लिए रखे गए हैं। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि डिजिटल मानचित्र प्रदेश के किसानों को भी खूब रास आ रहा है। डिजिटल मानचित्र का उद्देश्य किसानों को फसलों की विभिन्न किस्मों की बुवाई के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आमदनी को बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 से लेकर शाम 5 बजे तक 50 रुपए खर्च कर कोई भी म्यूजियम का दीदार कर सकता है।

जानिए... जिले में किस मिट्टी में कौन सी फसलों को लगाना उचित

• रेतीली मिट्टी
जिले- हिसार, सिरसा, भिवानी, चरखी दादरी, गुड़गांव, फरीदाबाद, पलवल, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़
किस फसल की करें खेती- बाजरा, सरसो, मूंग, ग्वार

• दोमट मिट्टी
जिले- कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, हिसार, फतेहाबाद, पानीपत, सोनीपत, यमुनानगर आदि।
किस फसल की करें खेती- कोटन, व्हीट, चावल, राया, सब्जियां, किन्नू, अमरूद, आंवला

• गादिया दोमट मिट्टी
जिले- अम्बाला, गुड़गांव, नूंह, यमुनानगर, पंचकूला
किस फसल की करें खेती- मक्का, चावल, अमरूद, आंवला

• गादिया मिट्टी
जिले- पंचकूला, यमुनानगर, गुड़गांव, नूंह
किस फसल की करें खेती- मक्का, चावल, सब्जियां, अमरूद

• चिकनी मिट्टी
जिले- कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल
किस फसल की करें खेती- धान, गन्ना, गेहूं, चावल, सब्जियां, आम, अमरूद, आंवला

कृषि विज्ञान संग्राहलय में स्थापित डिजिटल मानचित्र की तस्वीर।

अंग्रेजी और हिंदी ऑडियो रिकॉर्डिंग में भी जानकारी हासिल कर रहे किसान

डिजिटल मानचित्र में ऑडियो रिकॉर्डिंग की भी सुविधा प्रदान की गई है। किसान यदि पढ़ नहीं पा रहे हैं तो हिंदी में भी रिकॉर्डिंग के माध्यम से फसलों और मिट्टी के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। अंग्रेजी में भी जानकारी देने की सुविधा प्रदान की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.12.22	2	3-6

दिल की बीमारियों से बचाएगा सरसों की नई किस्म का तेल

जागरण विशेष

चेतन सिंह • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों ने सरसों की नई उन्नत किस्म 1706 विकसित की है। विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने सरसों की आरएच 1706 किस्म को विकसित किया है।

आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम ईरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिसका लोगों के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 क्विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है। इसके पौधों की ऊंचाई मध्यम होती है व शाखाओं की संख्या ज्यादा होती है। आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है, इसलिए ये हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और जम्मू राज्यों के सिंचित क्षेत्रों में समय पर बुवाई के लिए उपयुक्त मानी गई है। इस किस्म को विकसित करने वाले एचएयू के वैज्ञानिकों का कहना है कि सरसों की ये किस्म इन राज्यों की सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में बड़ा योगदान देगी। ये सरसों स्वास्थ्य के लिहाज से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकती है क्योंकि इसमें 2.0 प्रतिशत से भी कम ईरूसिक एसिड की मात्रा पाई जाती है। ईरूसिक एसिड की मात्रा कम होने से यह सेहत पर प्रतिकूल असर नहीं डालेगी। सरसों के तेल में 42 फीसदी फैटी एसिड होता है, जिसे ईरूसिक एसिड कहा जाता है। यह एसिड मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। हृदय संबंधी बीमारियों के जिम्मेदार माना जाता है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विकसित की गई सरसों की नई उन्नत किस्म 1706। • जागरण

- एचएयू ने विकसित की नई किस्म
- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की नई किस्म 1706 तैयार की

ऐसे करें इस फसल की तैयारी

- **बिजाई का समय** : 30 सितंबर से 20 अक्टूबर
- **खेत की तैयारी** : सिंचित इलाकों में मिट्टी पलटने वाले हल से पहले जुताई करने के बाद दो से तीन बार देसी हल हैरो या कल्टीवेटर से जुताई करके सुहागा अवश्य लगाएं। असिंचित क्षेत्रों में देसी हल अथवा कल्टीवेटर से एक या दो जुताइयां करके सुहागा लगाएं।
- **कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी** : कतार से कतार- 30 सैंटीमीटर, पौधे से पौधे की दूरी- 10 से 15 सेंटी मीटर
- **खाद की मात्रा** : सिंचित क्षेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 70 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 14 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश बिजाई के समय डालें और 35 किलोग्राम यूरिया पहली सिंचाई के बाद डालें।

वैज्ञानिकों ने सरसों की कई उन्नत किस्में विकसित की हैं, जिसमें आरएच 1706 किस्म भी है। विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम की मेहनत का यह परिणाम है। अधिक उपज और बेहतर तेल गुणवत्ता के कारण इस किस्म को काफी पसंद किया जा रहा है।

प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय